Mr. Pande and Mr. Sharma were given due notice and proper procedure was followed. In the case of Mr. Gupta, he was given one month's salary in lieu of notice.

SHRI S. N. MAZUMDAR: My question was, Sir, whether he was given any charge-sheet. It seems from the hon. Minister's reply that he was not given any charge-sheet, nor any scope or opportunity for explanation. He was given one month's notice. May I know, Sir, under what rule this was done?

(No reply)

MR. CHAIRMAN: Shri Nawab Singh Chauhan.

SHRI S. N. MAZUMDAR: Sir, this is a very important question and it has not been replied to

MR. CHAIRMAN: There is no answer readily available.

SHRI S. N. MAZUMDAR: That shows how they deal with these questions.

पूर्वी रेलवे के मुगमा और फुटका स्टेशनों के बीच यातायात का स्थागन

*३९६ **श्री नवाब सिंह चौहान:** क्या **रेल** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि क्या यह सच है कि पूर्वी रेलवे के मुगमा और फुटका स्टेशनों के बीच रेलवे लाइन के धस जाने के कारण रेल यातायात स्थगित कर दिया गया है; यदि ऐसा है, तो लाइन धंसने के क्या कारण है?

†[SUSPENSION OF TRAFFIC BETWEEN MUGMA AND FUTKA RAILWAY STATIONS ON THE EASTERN RAILWAY

*396. SHRI NAWAB SINGH CHAUHAN: Will the Minister for RAILWAYS be pleased to state whether it is a fact that Railway traffic has been suspended between Mugma and Futka stations on the Eastern Railway due to the sinking of the railway line; and if so, what are the causes of this sinking?]

†English translation.

रेल तथा परिवहन उपमंत्री (श्री शाहनवाज खां): एक बयान सभा-पटल पर रख दिया गया है।

विवरण

४-१२-५६ को तीसरे पहर लगभग १५-४५ पर, जब शामपुर गांव की श्रीमती बसना महतानी ग्रांड कार्ड लाइन पर, फुटका ब्लाक हट के अप वार्नर सिगनल के पास अप लाइन के साथ साथ जा रही थी, तो उस वक्त उन्होंने मील नं० १४६।२० पर अप लाइन की दाहिनी पटरी के नीचे एक सूराख में से धल और धुआं उठता देखा। उन्होंने तुरंत शोर मचा कर पास के ३ आदमियों का ध्यान इस ओर खींचा। उन तीनों में से एक आदमी दौड कर कैबीन में गया और १५-४१ पर उसने अप सिगनल उठा दिया। दूसरे दोनों आदमी ६७ अप गाड़ी के ड्राइवर को सूचना देने दौड़े। इससे ड्राइवर ने गाड़ी रोक तो ली, लेकिन इससे पहले इंजन और पहली बोगी सूराख को पार कर चुकी थी।

२. सेक्शन के सहायक इंजीनियर ने, जो ट्रोली में बैठकर मौके पर आ रहे थे, पटरी का निरीक्षण किया है और डाउन लाइन पर ५ मील प्रति घंटे की रफ्तार की पाबंदी और रुक जाओ (Stop Dead) पट लगा दिया। १७-३० पर खान सलाहकार (Mining Adviser) उनके सहायक रीजनल खान निरीक्षक, सेक्सन के डिवीजनल इंजीनियर और शामपुर की कोयला-खान के मैनेजर वहां जा पहुंचे। खान सलाहकार और डिवीजनल इंजीनियर दोनों ने सहायक जीनियर के काम की पुष्टि की और अप लाइन पर भी गाड़ियों का आना जाना बंद कर दिया।

३. इसके बाद खान सलाहकार ने अपने नक्शे देखे जिनमें सबसे पुराना नक्शा शामपुर कोयला खान के बारे में था, जो १८९७ में बनाया गया था। इन नक्शों में से एक में जो पता लगा है उसके अनुसार वहां एक पुराने ढलाव और जमीन धंसकर चार दरारों वाले एक गड्ढे का संदेह हुआ, जिसका पता सतह से नहीं लगता था। खान सलाहकार को सन्देह हुआ कि पुरानी भरी हुई दरारों में से कोई दरार धंस गयी है, इसलिये उन्होंने उसकी जांच करने के लिये डाउन लाइन पर गाड़ियों का आना जाना बन्द कर दिया।

४. सतह पर गड्ढे का व्यास २६ इंच था, लेकिन जमीन के दो फीट नीचे उसका व्यास ५ फीट हो गया था, इसके बाद वहां २८ फीट गहरा एक कुंआ बन गया, जिसकी तह का व्यास

१५ फीट था। गैसों और काफी गर्मी के कारण जांच का काम धीमा पड़ गया। कुछ हद तक जांच कर लेने के बाद ५-१२-५६ को १०-३० पर डाउन लाइन पर गाडियों का आना-जाना शुरू किया गया, लेकिन इस पर 'रुक जाओ' और ५ मील प्रति घटे की रफ्तार की पाबंदी लगायी गयी और इस गड्ढे को गीली बालू से भर दिया गया।

५. गड्ढे को बालू और पानी से भरने के बाद पटरी बिछा दी गयी और और अप लाइन पर गाड़ियों का चलना शुरू कर दिया गया। इस तरह ६-१२-५६ को ३-१५ पर दोनों लाइनों पर गाड़ियां चलने लगीं लेकिन उन पर 'रुक जाओ' और ५ मील प्रति घंटे की रफ्तार की पाबंदी लगा दी गयी।

६. ४ और ५ दिसबर, १९५६ के बीच की रात को मेल और एक्सप्रेस गाडियां मुख्य लाइन और दक्षिण बिहार शाखा लाइन के रास्ते भेजी गयीं।

७. उन लोगों के नाम जिन्होंने चेतावनी दी :—

१. श्रीमती बसना महतानी–विधवा–सुपुत्री श्री रूपचन्द महतो, गांव शामपुर, डाकखाना निरसाचट्टी, जिला धनबाद।

२. श्री जोगेन्दर सिह, चौकीदार, जनरल इलेक्ट्रिक कंपनी लिमिटेड, करनपुरा, डाकखाना निरसाचट्टी, जिला धनबाद।

३. श्री राधा सिह, पता उपर (२) के अनुसार।

४. श्री गुरबचन सिह, उसी फैक्ट्री का पम्प ड्राइवर।

८. जिस औरत ने सब से पहले इस धंसी हुई जगह का पता दिया था, उसके लिये ३०० रु. और ६७ अप गाडी को रोकने में मदद देने वाले ३ आदमियो मे से हर एक के लिये २०० रु० का इनाम मजूर हुआ है और इसकी घोषणा अखबारो में की गयी है। इन लोगों के फोटो छापने का प्रबन्ध भी किया गया है। श्रीमती बसना महतानी का फोटो पहले ही अखबारों में छप चुका है।

†[THE DEPUTY MINISTER FOR RAILWAYS AND TRANSPORT (SHRI SHAH NAWAZ KHAN): A statement is placed on the Table of the Sabha.

STATEMENT

At about 15-45 hours on 4-12-56, Srimati Basana Mahatani of Shampur village, while walking along the Up track near Up Warner signal of Fatka Block Hut on the Grand Chord line saw dust and smoke coming out of a hole under the right rail of the Up track at Mile 149/20. She immediately raised an alarm and drew the notice of 3 persons who were nearby. One of these persons rushed off to the cabin and had the Up signals raised at 15-51 hrs., while the other two rushed off and drew the attention of the Driver of 67 Up so that the latter was able to bring his train to a stand though after the engine and the first bogie had passed the hole.

2. The Assistant Engineer of the section who has approaching the site by trolley inspected the track and imposed a stop dead and 5MPH speed restriction on the Down line. At 17-30 hrs. the Mining Adviser with his Assistant and the Regional Inspector of Mines arrived at the spot as also the Divisional Engineer of the section and the Manager of the Shampur Colliery. The Mining Adviser and the Divisional Engineer jointly confirmed the action of the Assistant Engineer and also blocked the Up line for traffic.

3. The Mining Adviser thereafter consulted his plans, the earliest of which for Shampur Colliery dated back to 1897. In one of these he found a suspected old incline and subsidence in 4 seam, traces of which are not visible on the surface. Suspecting that a subsidence has taken place in one of the old worked seams the Mining Adviser blocked the Down line also for traffic till further investigation had been made.

4. The hole which was 26 inches in diameter on the surface had widened itself 2 feet below the surface to 5 ft. and revealed a vertical well which was 15 ft. in diameter at the bottom and 28 ft. deep. Presence of gases and

† English translation.

considerable heat slowed the process of examination and after the same had been carried out to a certain extent arrangements were made to allow traffic by the Down line at 10-30 hrs. on 5-12-56, with a stop dead and 5 MPH restriction and to fill the hole with wet sand.

5. After filling the hole with sand and water, the track was put back and the Up line was declared open for traffic. The double line working was thus resumed at 3-15 hrs. on 6-12-56 with a restriction of stop dead and 5 MPH speed on both the lines.

6. The Mails and Expresses on the night of 4th/5th December, 56 were diverted *via* Main Line and South Bihar Branch.

7. The names of those who gave the warning are:—

1. Shrimati Basana Mahatani—widow—D/o Rupchand Mahato, Village Shampur, P.O. Nirsachatti, Distt. Dhanbad.
2. Shri Jogindra Singh, Watchman, General Electric Co., Ltd., Karanpura, P.O. Nirsachatti, Distt. Dhanbad.
3. Shri Radha Singh, Address as (2) above.
4. Shri Gurbachan Singh, Pump Driver of the same factory.

8. A reward of Rs. 300 to the woman who first spotted the subsidence and of Rs. 200 each to the 3 persons who helped to stop 67 Up has been sanctioned and announced in the press. Arrangement to publish their photographs has also been made. The photograph of Shrimati Basana Mahatani has already appeared in the Press.]

श्री नवाब सिंह चौहान : जैसा कि बयान से पता चलता है, जिस जगह पर यह रेलगाड़ी रुकी, वहां पटरी के नीचे एक सूराख में से धूल और धुआं निकल रहा था और उसको पानी और बालू डाल कर के पाट दिया गया है, तो यह इंतजाम मुस्तकिल तौर पर किया गया है या आरज़ी तौर पर किया गया है ?

श्री शाहनवाज़ खां : यह तो मुस्तकिल तौर पर ही है।

श्री नवाब सिंह चौहान : आगे जैसा कि बयान में बतलाया गया है, जिन लोगों ने इसकी सूचना दी और रेलगाड़ी को रोका, जिससे कि यह एक्सीडेंट होने से बच गया, उन चार आदमियों को आपने सिर्फ ३०० रु० और २०० रु० तक के इनाम दिये है और बयान में यह भी कहा गया है कि अपने उस स्त्री का फोटो अखबारों में निकाल दिया, वह कोई राजनीतिज्ञ नहीं है कि फोटो के निकलने से खुश होती । तो क्या सरकार की निगाह में ३०० रु० या २०० रु० का इनाम देना हजारों की जान बचाने के लिये काफी है ?

श्री शाहनवाज़ खां : हम तो इसको काफी समझते है।

SUPPLY OF IRRIGATION WATER BY MYSORE TO MADRAS THROUGH PALAR RIVER

*397. SHRI V. M. OBAIDULLAH: Will the Minister for IRRIGATION AND POWER be pleased to state:

(a) whether it is a fact that negotiations have been going on at the instance of the Government of India between the Governments of Mysore and Madras with regard to the supply of irrigation water by Mysore to Madras through Palar river; and

(b) if so, what is the result of these negotiations?

THE DEPUTY MINISTER FOR IRRIGATION AND POWER (SHRI J. S. L. HATHI): (a) and (b). A statement is laid on the Table of the House.

STATEMENT

Negotiations for the Supply of Irrigation water by Mysore to Madras through Palar river

The Government of India offered their good offices to resolve the differences between Mysore and Madras regarding the Palar River waters. It was suggested to the States that their Chief Engineers should meet to discuss the issue and a Technical Officer from the Central Water and Power